ICFAI UNIVERSITY JHARKHAND

The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

इक्फाई वि०वि० झारखंड में "नए परिवेश में प्रबंधन की चुनौतियाँ - आगे की राह" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

राँची, नवंबर 07, 2012

यह राष्ट्रीय संगोष्ठी उद्योग जगत, शिक्षा जगत तथा सरकार से जुड़े विभिन्न शिक्षाविद् व पेशेवर को उक्त विषय पर चिंतन करने के लिए एक सामुहिक मंच प्रदान किया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य प्रबंधन के विभिन्न दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श करना तथा प्रतिभागियों को भविष्य के लिए अपनी रणनीतियों को फिर से परिभाषित करने के लिए सक्षम बनाना था। इस एक दिवसीय संगोष्ठी के माध्यम से वि०वि० का मकसद प्रतिभागियों के साथ उभरते कारोबारी माहौल के बारे में, प्रतिस्पर्धा के लिए तैयारी तथा नये गतिशील व्यवसाय के वातावरण में जोखिम को कम करते हुए उभरते अवसरों को भुनाने से संबंधित विचारों का आदान-प्रदान करना था।

प्रो० ओ आर एस राव, वि० वि० के कुलपति ने प्रमुख वक्ताओं, मेहमानों तथा छात्रों का संगोष्ठी में स्वागत करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में लोगों की जीवनशैली में नाटकीय परिवर्तन देखने को मिला है जो कि मुख्यत: तकनीकी विकास, गतिशीलता और सोशल नेटवर्किंग आदि जैसे कारकों से संचालित हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ "प्रबंधक" के बजाय "सफल प्रबंधन" को संचालित करने वाले नेतृत्व की जरूरत आज हमारे समाज को है।

संगोष्ठी का मुख्य भाषण देते हुए डॉ एम जे जेवियर, निदेशक, आइआइएम राँची ने उभरती चुनौतियों तथा उन चुनौतियों से संबंधित परिवर्तन के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। श्री एल आर सैनी, क्षेत्रीय निदेशक, डीएवी ने शिक्षा प्रणाली में नवीनीकरण की जरूरत पर जोड़ दिया। डॉ आर आर मिश्रा, कार्मिक निदेशक, सीसीएल ने अपने मुख्य अतिथि भाषण में प्रबंधन कार्यकर्ताओं तथा छात्रों को बदले हुए माहौल में खुद को समायोजित करने की सलाह दी तथा नेताओं व मजदूरों के बीच संबंध विकसित करने के अलावा सामाजिक दायित्व, पुनर्वास आदि पहलुओं पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।

डॉ के के नाग, वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार, फेडयूनि, इक्फाई ने बुनियादी मानवकृति के विभिन्न पहलु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आत्म-प्रबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

संगोष्ठी में प्रमुख संस्थानों जैसे- IIM, NMIMS, NIT, XISS, BIT, CUJ, DAV, राँची वि०वि०, उषा मार्टिन, केजरीवाल संस्थान, पंजाब वि०वि०, और प्रतिष्ठित कॉरपोरेट जगत जैसे मेकॉन, एसबीआइ, जिंदल, रैडिसन ब्लू, सीसीएल, रिलायंस रिटेल, कैपिटल होटल, अभिजीत ग्रूप के प्रमुख वक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र के बाद विविध क्षेत्रों से आये हुए प्रतिनिधियों ने विशेषज्ञों तथा पैनल की उपस्थिति में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में विषय से जुड़े हुए कुल 25 तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

वि०वि० के कुलसचिव डॉ बी एम सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। संगोष्ठी में प्रो० ए एस प्रसाद, वि०वि० के अधिकारीगण, शिक्षकगण, छात्रगण तथा अन्य आमंत्रित लोगों ने भाग लिया।